उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थानम्, लखनऊ

(भाषा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन के अधीन)

नया हैदराबाद, लखनऊ - 226007

वेब पोर्टलः https://upsanskritpratibhakhoj.com

संस्कृत प्रतिभा खोज नियमावली 2025

संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का उद्देश्य-

☐ संस्कृत का प्रचार-प्रसार, संवर्द्धन एवं संरक्षण करना।

☐ छात्रों में संस्कृत भाषा के प्रति अनुराग उत्पन्न करना।

☐ छात्रों की अन्तर्निहित शक्तियों का सर्वांगीण विकास करना।

☐ संस्कृत भाषा के प्रति जनाभिमुखीकरण करने हेतु व्यापक जनसम्पर्क करना ।

⇨ **संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता के नाम तथा सम्मिलित होने की अर्हता**

क्रम	संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का नाम	प्रतिभागियों की अर्हता
1	संस्कृत गीत प्रतियोगिता	कक्षा 6 से 12 तक की छात्र/ छात्राएँ
2	संस्कृत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता (बाल वर्ग)	कक्षा 6 से 12 तक की छात्र/ छात्राएँ
3	श्लोकान्त्याक्षरी प्रतियोगिता	कक्षा 6 से 12 तक की छात्र/ छात्राएँ
4	अष्टाध्यायी कंठस्थपाठ प्रतियोगिता	कक्षा 6 से 12 तक की छात्र/ छात्राएँ
5	अमरकोश कंठस्थपाठ प्रतियोगिता	कक्षा 6 से 12 तक की छात्र/ छात्राएँ
6	लघुसिद्धान्तकौमुदी कंठस्थपाठ प्रतियोगिता	कक्षा 6 से 12 तक की छात्र/ छात्राएँ
7	तर्कसंग्रह कंठस्थपाठ प्रतियोगिता	कक्षा 6 से 12 तक की छात्र/ छात्राएँ
8	संस्कृत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता (युवा वर्ग)	स्नातक तथा स्नातकोत्तर की छात्र/ छात्राएँ
9	संस्कृत भाषण प्रतियोगिता	स्नातक तथा स्नातकोत्तर की छात्र/ छात्राएँ
10	श्रुतलेखन प्रतियोगिता	कक्षा स्नातक तथा स्नातकोत्तर की छात्र छात्र/ छात्राएँ

आवेदन करने की तिथि – प्रतिवर्ष अधिसूचना जारी की जाएगी।

प्रतियोगिता की तिथि - प्रतिवर्ष अधिसूचना जारी की जाएगी।

☐ **प्रतियोगिता का आयोजन स्थल**

1	जिला स्तर पर प्रतियोगिता	जिला विद्यालय निरीक्षक / संयोजक द्वारा निर्धारित स्थल पर

2	मण्डल स्तर पर प्रतियोगिता	उप निरीक्षक संस्कृत पाठशाला / संयोजक द्वारा निर्धारित स्थल पर
3	राज्य स्तरीय प्रतियोगिता	उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान द्वारा लखनऊ में निर्धारित स्थान पर

⇨ जनपद स्तरीय प्रतिभा खोज प्रतियोगिताओं की पुरस्कार राशि का विवरण

	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	सान्त्वना ((कुल 3)
1. संस्कृत गीत प्रतियोगिता	1000	800	700	500
2. संस्कृत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता (बाल वर्ग)	1000	800	700	500

⇨ मण्डल स्तरीय प्रतियोगिताओं की पुरस्कार राशि का विवरण

	प्रथम	द्वितीय	तृतीय
1. संस्कृत गीत प्रतियोगिता	3000	2000	1000
2. संस्कृत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता (बाल वर्ग)	3000	2000	1000
3. श्लोकान्त्याक्षरी प्रतियोगिता	3000	2000	1000
4. संस्कृत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता (युवा वर्ग)	3000	2000	1000

⇨ राज्य स्तरीय 10 प्रतियोगिताओं में पुरस्कार राशि

प्रथम पुरस्कार	द्वितीय पुरस्कार	तृतीय पुरस्कार	सान्त्वना पुरस्कार (कुल 3)
11,000	7,000	5,000	3,000

जनपद स्तर पर कुल पुरस्कार राशि- (2 प्रतियोगिताएँ) 75 जनपद x 8,000 = 6,00,000.00

मंडल स्तर पर कुल पुरस्कार राशि- (4 प्रतियोगिताएँ) 18 मंडल x 24,000 = 4,32,000.00

राज्य स्तर पर कुल पुरस्कार राशि(10 प्रतियोगिताएँ) 10 प्रतियोगिता x 26,000 = 2,60,000.00

योग- 12,92,000.00

मुख्य बिन्दु-

⇨ 1. संस्कृत गीत प्रतिभा खोज 2. संस्कृत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता जनपद, मण्डल एवं राज्यस्तर पर आयोजित होगी।

⇨ 1. संस्कृत गीत प्रतियोगिता 2. संस्कृत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता (बाल एवं युवा वर्ग) तथा 3. श्लोकान्त्याक्षरी प्रतियोगिता मण्डल एवं राज्य स्तर पर आयोजित होगी। शेष 6 प्रतियोगिता (संस्कृत भाषण, श्रुतलेखन, अष्टाध्यायी कंठस्थपाठ, अमरकोश कंठस्थपाठ (प्रथम काण्ड), लघुसिद्धान्तकौमुदी कंठस्थपाठ एवं तर्कसंग्रह कंठस्थपाठ) केवल राज्य स्तर पर होगी, जिसके लिए ऑनलाइन अर्हता परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा।

⇨ जनपदस्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र एवं छात्राएँ ही मण्डल स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर सकेंगे।

⇨ मण्डलस्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त छात्र/छात्राएँ राज्य स्तरीय प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने हेतु अर्ह होंगे।

⇨ उत्तर प्रदेश में अध्ययनरत किसी भी विद्यालय, महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के छात्र / छात्रायें प्रतिभा खोज प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर सकते है।

☐ प्रतियोगिताओं हेतु सामान्य नियम:-

1. संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के सभी शासकीय/अशासकीय/प्राइवेट जूनियर हाईस्कूल, हाईस्कूल, इण्टर कॉलेज, पब्लिक स्कूल, केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, विद्यामन्दिर, गुरुकुल, संगीत विद्यालय, संस्कृत विद्यालय, महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के सभी विषयों के छात्र/छात्रायें प्रतिभाग करेंगे।
2. प्रतिभा खोज प्रतियोगिताओं में भाग लेने के इच्छुक छात्र आवेदन पत्र में अपना नाम, कक्षा का नाम, विद्यालय का नाम, जनपद नाम, दूरभाष, फोटो, प्रतियोगिता का नाम आदि विवरण पूरित कर निर्धारित तिथि तक आवेदन करेंगें ।
3. जनपदस्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र- छात्रायें ही मण्डलस्तरीय प्रतियोगिता में एवं मंडलस्तरीय पर प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र - छात्रायें राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर सकेंगे।
4. जनपद स्तरीय प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए सभी संस्थाऐं छात्र/छात्राओं के यात्रा व्यय, आवास एवं भोजन आदि की व्यवस्था अपने स्तर से करेंगे।
5. मंडल तथा राज्य स्तर पर आरंभ होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागी को ऑनलाइन अर्हता प्रतियोगिता उत्तीर्ण करना होगा।
6. जनपद, मण्डल एवं राज्यस्तरीय प्रतिभा खोज प्रतियोगिताओं की पुरस्कार राशि तथा मंडल व राज्य प्रतियोगिता यात्रा व्यय की राशि प्रतिभागी अथवा उनके माता पिता के बैंक खाते में अंतरित की जायेगी।
7. प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का प्रमाण-पत्र संयोजक के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा।
8. जनपद स्तरीय, मण्डल स्तरीय एवं राज्य स्तरीय सभी प्रतिभा खोज प्रतियोगिताओं में प्रतिभागी छात्र/छात्राओं की सुरक्षा, अनुशासन, आवागमन व उनकी वस्तुओं की सुरक्षा का दायित्व सम्बद्ध संस्थाओं का होगा।

9. मंडलस्तरीय प्रतियोगिता में अभिभावक/ शिक्षक सहित प्रति प्रतिभागी की दर से रूपये 400/- मात्र मार्गव्यय दिया जाएगा। राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में संस्थान नियमानुसार मार्गव्यय देय होगा।

10. राज्य स्तरीय प्रतिभा खोज प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतिभागियों तथा उनके साथ आने वाले एक अध्यापक/ अभिभावक के भोजन व आवास की व्यवस्था की जाएगी। इसके अतिरिक्त अन्य धनराशि देय नहीं होगी।

11.एक प्रतिभागी 01 प्रतियोगिता में ही प्रतिभाग कर सकता है। एक प्रतियोगिता में एक विद्यालय/ महाविद्यालय के अधिकतम 4 छात्र/ छात्राओं को ही प्रवेश दिया जाएगा।

12.जो प्रतिभागी राज्य स्तर के जिस प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर चुका हो, वह पुनः उस प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने हेतु अनर्ह होगा।

13.संस्कृत गीत प्रतियोगिता में प्रतिभागी द्वारा वाद्य यंत्रों का प्रयोग वर्जित है।

14.सभी प्रतियोगितायें पूर्णरूप से संस्कृत भाषा में ही होंगी। प्रतिभागी लिखित सामग्री देखकर प्रतियोगिता नहीं देंगे।

15. प्रतियोगिता का विषय भारतीय संस्कृति, साहित्य एवं राष्ट्रीय एकता को पुष्ट करने वाला होना चाहिये । प्रतियोगिताओं में किसी भी प्रकार का राष्ट्रविरोध, व्यक्तिविशेष विरोध या राजनैतिक आक्षेप प्रदर्शित करना सर्वथा निषिद्ध है।

16.जनपद स्तर की प्रतिभा खोज प्रतियोगिताओं का निर्णय 2 निर्णायकों तथा मण्डल एवं राज्य स्तरीय प्रतिभा खोज प्रतियोगिताएं 03 निर्णायकों के द्वारा प्रदत्त अंकों के योग के आधार पर किया जायेगा। निर्णायकों का निर्णय सर्वमान्य एवं अन्तिम होगा। यही नियम ऑनलाइन अर्हता प्रतियोगिता पर भी लागू होगा।

17.जनपद संयोजक, मण्डल संयोजक एवं निर्णायक अपने स्तर पर किसी भी प्रकार के नियमों का निर्धारण नहीं करेंगे।

18.सभी प्रतिभा खोज प्रतियोगिताएं जनपद संयोजक, मण्डल संयोजक, संचालन समिति तथा सम्बद्ध अधिकारियों के निर्देशन में सम्पन्न होंगी तथा उनके निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा। किसी भी अनुशासन हीनता की स्थिति में प्रतिभागी को प्रतिभा खोज प्रतियोगिता के लिए अनर्ह माना जाएगा।

19.विशेष परिस्थितियों में नियम परिवर्तन का अधिकार अध्यक्ष/निदेशक, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ के पास सुरक्षित होगा।

☐ प्रतियोगिता आधारित नियम

1. एकल संस्कृत गीत प्रतियोगिता

(क) संस्कृत एकल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता के मूल्यांकन में (संगीत) स्वर एवं ताल (40 अंक), उच्चारण (20 अंक), संस्तुत गीत (20 अंक), प्रस्तुति (20 अंक) कुल 100 अंक होंगे।

(ख) एकल गीत की अवधि अधिकतम 05 मिनट की होगी।

(ग) गीत को कंठस्थ कर गायन करना होगा।

(घ) प्रतिभागी संस्तुत गीत में से किसी एक गीत गा सकेंगें। प्रतिभागी द्वारा विद्यालय नाम सहित चयनित गीत की 03 टंकित प्रति प्रस्तुति से पूर्व उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा।

(ङ) संस्कृत गीत प्रतियोगिता में स्तोत्र गायन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

2-3 संस्कृत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता (बाल वर्ग एवं युवा वर्ग)

टीम संरचना: प्रत्येक प्रतिभागी कतारबद्ध / गोलाकार बैठेगें।

प्रतियोगिता राउंड: प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा सान्त्वना स्थान के निर्णय तक संचालित किया जाएगा।

सामान्य ज्ञान प्रतिभा खोज प्रतियोगिता जनपद पर 1 स्तर मंडल स्तर पर द्वितीय स्तर तथा राज्य स्तर पर तृतीय स्तर की प्रतियोगिता होगी।

प्रश्न : प्रत्येक प्रतिभागी से संस्कृत (भाषा, विषय तथा सामान्य ज्ञान) से सम्बन्धित एक- एक प्रश्न पूछा जाएगा। प्रतिभागी को 30 सेकेंड के भीतर उत्तर देना होगा अथवा आगे प्रतिभागी की प्रतिभागी से पूछने को कह सकता है। किसी प्रश्न का उत्तर सभी प्रतिभागी द्वारा नहीं दिए जाने पर वह राउंड शून्य माना जाएगा। मंडल स्तर पर प्रतिभागी से कक्षा के समकक्ष पुस्तक/पत्रिका के गद्य भाग का वाचन कराया जाएगा।

अंक : सभी प्रश्न 2 अंकों का होगा। सही उत्तर देने वाले टीम के आगे अंक अंकित किया जाएगा।

निष्कासन : प्रत्येक प्रतिभागी को तीन अवसर दिया जाएगा। प्रतियोगिता में तीन गलत उत्तर देने अथवा उत्तर नहीं देने वाले प्रतिभागी का अवसर समाप्त हो जाएगा। चतुर्थ बार उत्तर नहीं देने पर प्रतिभागी को प्रतियोगिता से बाहर किया जाएगा ।

समय निर्धारण : इस प्रतियोगिता की अवधि का निर्धारण निर्णायक अपने विवेक से कर सकेंगे ।

☐ **निर्णय प्रक्रिया-**

(क) प्रतियोगिता राउंड तथा अवसर की घोषणा: निर्णायक प्रत्येक राउंड के बाद प्रतिभागियों के अवसर तथा अंक की घोषणा करेंगें।

(ख) निर्णायकों के पास लिखित संस्कृत सामान्य ज्ञान का प्रश्नोत्तर होगा। इसमें संस्कृत भाषा, विषय तथा सामान्य ज्ञान से सम्बन्धित प्रश्न होंगें। निर्णायक इसी से प्रश्न करेंगें। जनपद तथा मंडल में तीन प्रतिभागी को प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान तथा जनपद तथा राज्य में उक्त के अतिरिक्त तीन सान्त्वना स्थान घोषित करने का पर्याप्त आधार मौजूद हो जाने के उपरान्त प्रतियोगिता समापन की घोषणा की जा सकती है।

संस्कृत सामान्य ज्ञान मंडलस्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभागियों से संस्कृत गद्य वाचन कराया जाएगा।

संस्कृत गद्य वाचन का नियम-

(क) संस्कृत गद्य वाचन के मूल्यांकन में वाचन शैली (40), शुद्धोच्चारण (30), भावानुकूलता (15), प्रभावोत्पादकता (15) कुल 100 अंक होंगे।

(ख) प्रतियोगिता की अवधि 05 मिनट की होगी ।

☐ **निर्णय प्रक्रिया**-

(क) प्रतिभागी को गद्य में लिखित संस्कृत की कोई भी ऐसी पुस्तक / पत्रिका अथवा मुद्रित पृष्ठ वाचन हेतु दिया जाएगा, जिसमें 5 मिनट तक की वाचन सामग्री होगी।

(ख) प्रतिभागी द्वारा वाचन शैली (शब्दों की गति, यति, भावों के अनुकूल ध्वनियों के उचित आरोह- अवरोह, विराम, प्रवाह, बलाघात) शब्दों के शुद्धोच्चारण, भावानुकूलता (अर्थ की प्रतीति, रसात्मकता, आत्मविश्वास), प्रभावोत्पादकता (वाचन मुद्रा) के आधार पर निर्णायक अंक प्रदान करेंगें।

4. श्लोकान्त्याक्षरी प्रतियोगिता

 मंडल स्तर तथा राज्य स्तर की श्लोकान्त्याक्षरी प्रतियोगिता होगी। मंडल तथा राज्य स्तर की प्रतियोगिता अनुष्टुप्छन्द के श्लोकों को छोड़कर अन्य छन्दों के श्लोंकों पर आयोजित की जाएगी। विशेष परिस्थिति में प्रतियोगिता के शीघ्र निर्णय हेतु निर्णायक अनुष्टुप्छन्द के आधार पर प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का संचालन कर सकेंगे। यह प्रतियोगिता पाठ्यपुस्तकों के श्लोकों के आधार पर होगी । इसके निर्णय हेतु साहित्य, व्याकरण तथा ज्योतिष विषयों के विशेषज्ञों को निर्णायक के रूप में रखा जाएगा। प्रतियोगिता को शीघ्र पूर्ण कराने हेतु नियमों में बदलाव किया जा सकता है। इन्हीं नियमों का पालन सभी स्तर पर किया जायेगा।

(क) श्लोकान्त्याक्षरी प्रतियोगिता में समस्त प्रतिभागी छात्र गोलाकार में बैठेंगे। प्रथम श्लोक का उच्चारण किसी एक निर्णायक द्वारा किया जायेगा। यदि किसी श्लोक का अन्तिम व्यंजन वर्ण म् होता है तो प्रतिभागी उसके पूर्ववर्ती व्यंजन वर्ण से श्लोक बोलेंगे। शेष अन्तिम व्यंजन के आधार पर प्रतियोगिता संचालित होगी। गोलाकार में बैठे एक प्रतिभागी के बाद दूसरे प्रतिभागी, दूसरे प्रतिभागी के बाद तीसरे प्रतिभागी के क्रम से यह प्रतिभा खोज प्रतियोगिता अनवरत चलेगी।

(ख) यदि किसी श्लोक के अन्त में ङ, ञ, ण, ट, ठ, ड, ढ, थ वर्ण आते हैं तो उसके पूर्ववर्ती हलन्त वर्ण से आगामी प्रतिभागी श्लोकोच्चारण करेगा।

(ग) विशेष परिस्थिति में निर्णायक श्लोक के अन्तिम स्वर वर्ण से प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का संचालन कराने का निर्णय ले सकता हैं।

(ङ) एक प्रतिभागी के श्लोकोच्चारण करने तथा श्लोक के अन्तिम अक्षर से आगामी प्रतिभागी के श्लोकोच्चारण आरम्भ किये जाने के मध्य अधिकतम एक मिनट का समय दिया जायेगा। एक मिनट के अन्दर किसी प्रतिभागी द्वारा श्लोकाच्चारण आरम्भ नहीं करने की स्थिति में उसका एक अवसर समाप्त माना जायेगा। निर्णायक समय सीमा को और भी कम कर सकेंगे।

(च) श्लोकान्त्याक्षरी में आवश्यक होने पर प्रतिभागी को श्लोक का स्रोत बताना होगा। अन्यथा उसके द्वारा उच्चारित श्लोक को निर्णायक अमान्य घोषित करेंगे।

(छ) श्लोकों के अशुद्ध उच्चारण करने की स्थिति में निर्णायक वैकल्पिक श्लोक बोलने हेतु अवसर दे सकेंगे। किसी प्रतिभागी द्वारा निरन्तर अशुद्ध उच्चारण करने पर उसके अवसरों में कटौती की जा सकेगी।

(ज) प्रत्येक प्रतिभागी को तीन अवसर प्रदान किये जायेंगे। प्रतिभा खोज प्रतियोगिता के अन्तिम चरण में निर्णायकों द्वारा पृथक्-पृथक्छन्दों, श्लोक के अन्तिम स्वर सहित व्यंजन वर्ण के आधार पर, श्लोक के किसी पाद के अन्तिम अक्षर से प्रतिभा खोज प्रतियोगिता के संचालन का निर्देश दे सकते हैं। अतः प्रतिभागी प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए पूर्णतः तैयार होकर आयें।

(झ) प्रतिभा खोज प्रतियोगिता के अन्त में अवशिष्ट 03 प्रतिभागियों में से किसी 01 के बाहर होने पर उसे तृतीय स्थान तथा 02 में से एक के बाहर होने पर उसे द्वितीय स्थान अन्त में अवशिष्ट प्रतिभागी को प्रथम स्थान दिया जायेगा।

श्लोक के अन्त में संयुक्त वर्ण आने पर संयुक्ताक्षर के अन्तिम अक्षर से आगामी प्रतिभागी श्लोक बोलेंगे। यथा - विद्या में य अक्षर से।

(ञ) श्लोकान्त्याक्षरी प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में एक श्लोक को एक ही बार उच्चारण किया जायेगा।

5. संस्कृत भाषण प्रतियोगिता

(क) संस्कृत भाषण प्रतियोगिता के मूल्यांकन में विषयवस्तु (50 अंक), भाषा शुद्धता (30 अंक) एवं प्रस्तुति (20 अंक) कुल 100 अंक होंगे।

(ख) संस्कृत भाषण की अवधि 05 मिनट होगी।

(ग) संस्कृत भाषण का विषय प्रतिवर्ष निर्धारित होगा।

6. श्रुतलेखन प्रतिभा खोज प्रतियोगिता

(क) इस प्रतियोगिता का पूर्णांक 100 होगा। इसमें प्रतिभागी को गद्यांश या श्लोक सुनकर लिखना होगा। निर्णायक श्रुतलेख के वाक्य या वाक्यांश का दो बार उच्चारण करेंगे।

(ख) प्रतिभागियों के श्रुतलेख में प्रति वर्ण त्रुटि के लिए एक-एक अंक काटा जाएगा।

(ग) प्रतिभागी द्वारा अपूर्ण श्रुतलेख लिखने पर 100 अंकों से प्रतिवर्ण त्रुटि के वर्ण काट लेने पश्चात् अवशिष्ट अंक से 20 अंक काटकर प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का निर्णय किया जाएगा।

शास्त्रीय स्पर्द्धा (दो निर्णायकों द्वारा निर्णय किया जाएगा।)

7. अष्टाध्यायी कंठस्थपाठ प्रतियोगिता

(क) अष्टाध्यायी कंठस्थ पाठ प्रतियोगिता के मूल्यांकन में कंठस्थ पाठ (70 अंक), उच्चारण एवं गति (20 अंक), सामान्य जानकारी (10 अंक) कुल 100 अंक होंगे।

(ख) प्रतियोगिता की अवधि निर्णायक के निर्देशानुसार तय की जाएगी ।

निर्णय प्रक्रिया-

प्रथम क्रम - क्रमशः सभी निर्णायकों द्वारा किसी सूत्र को उच्चारित कर प्रतिभागी से आगे सुनाने को कहा जायेगा।

द्वितीय क्रम - प्रतिभागी पुस्तक में शलाका प्रवेश करेगा, उस स्थल के आगे-पीछे से निर्णायकों द्वारा संकेत करने पर सुनाना होगा।

तृतीय क्रम- निर्णायकों द्वारा सम्बन्धित ग्रन्थ से सामान्यज्ञान परक कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे।

8. अमरकोश कंठस्थपाठ प्रतियोगिता

(क) अमरकोश कंठस्थ पाठ प्रतियोगिता के मूल्यांकन में कंठस्थ पाठ (70 अंक), उच्चारण एवं गति (20 अंक), सामान्य जानकारी (10 अंक) कुल 100 अंक होंगे।

(ख) प्रतियोगिता की अवधि निर्णायक के निर्देशानुसार तय की जाएगी ।

निर्णय प्रक्रिया-

प्रथम क्रम - क्रमशः सभी निर्णायकों द्वारा किसी श्लोक को उच्चारित कर प्रतिभागी से आगे सुनाने को कहा जायेगा।

द्वितीय क्रम - प्रतिभागी पुस्तक में शलाका प्रवेश करेगा, उस स्थल के आगे-पीछे से निर्णायकों द्वारा संकेत करने पर सुनाना होगा।

तृतीय क्रम- निर्णायकों द्वारा सम्बन्धित ग्रन्थ से सामान्यज्ञान परक कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे।

इस प्रतिभा खोज प्रतियोगिता हेतु अमरकोष का प्रथम काण्ड निर्धारित है। एक से अधिक प्रतिभागी द्वारा सम्पूर्ण अमरकोष का प्रथम काण्ड सुना देने की स्थिति में उनके मध्य द्वितीय तथा तृतीय काण्ड की प्रतिभा खोज प्रतियोगिता कराकर प्रथम, द्वितीय आदि पुरस्कार का निर्णय किया जाएगा।

9. लघुसिद्धान्तकौमुदी कंठस्थपाठ प्रतियोगिता

(क) लघुसिद्धान्तकौमुदी कंठस्थ पाठ प्रतिभा खोज प्रतियोगिता के मूल्यांकन में कंठस्थ पाठ (70 अंक), उच्चारण एवं गति (30 अंक), सामान्य जानकारी (10 अंक) कुल 100 अंक होंगे।

(ख) प्रतिभा खोज प्रतियोगिता की अवधि निर्णायक के निर्देशानुसार तय की जाएगी ।

निर्णय प्रक्रिया-

प्रथम क्रम - क्रमशः सभी निर्णायकों द्वारा किसी सूत्र, वृत्ति या उदाहरण को उच्चारित कर प्रतिभागी से आगे सुनाने को कहा जायेगा।

द्वितीय क्रम - प्रतिभागी पुस्तक में शलाका प्रवेश करेगा, उस स्थल के आगे-पीछे से निर्णायकों द्वारा संकेत करने पर सुनाना होगा।

तृतीय क्रम- निर्णायकों द्वारा सम्बन्धित ग्रन्थ से सामान्यज्ञान परक कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे।

कक्षा 6 से 8 (प्रथमा) के छात्र / छात्राओं को अजन्तनपुंसकलिंग प्रकरण तक, कक्षा 9 तथा 10 (पूर्वमध्यमा) के छात्र / छात्राओं को तिङन्तप्रकरण तक तथा कक्षा 11 तथा 12 (उत्तरमध्यमा) के छात्र / छात्राओं को सम्पूर्ण ग्रन्थ कंठस्थ होना चाहिए।

10. तर्कसंग्रह कंठस्थपाठ प्रतियोगिता

(क) तर्कसंग्रह कंठस्थ पाठ प्रतियोगिता के मूल्यांकन में कंठस्थ पाठ (70 अंक), उच्चारण एवं गति (20 अंक), सामान्य जानकारी (10 अंक) कुल 100 अंक होंगे।

(ख) प्रतिभा खोज प्रतियोगिता की अवधि निर्णायक के निर्देशानुसार तय की जाएगी ।

निर्णय प्रक्रिया-

प्रथम क्रम - क्रमशः सभी निर्णायकों द्वारा पुस्तक के किसी अंश को उच्चारित कर प्रतिभागी से आगे सुनाने को कहा जायेगा।

द्वितीय क्रम - प्रतिभागी पुस्तक में शलाका प्रवेश करेगा, उस स्थल के आगे-पीछे से निर्णायकों द्वारा संकेत करने पर सुनाना होगा।

तृतीय क्रम- निर्णायकों द्वारा सम्बन्धित ग्रन्थ से सामान्यज्ञान परक कुल 5 प्रश्न पूछे जायेंगे।

एक से अधिक प्रतिभागी द्वारा सम्पूर्ण तर्कसंग्रह सुना देने की स्थिति में उनके मध्य पदकृत्य सहित तर्कसंग्रह प्रतिभा खोज प्रतियोगिता कराकर प्रथम, द्वितीय आदि पुरस्कार का निर्णय किया जाएगा।

11. संस्कृत अभिनय प्रतिभा खोज प्रतियोगिता

(राज्यस्तरीय प्रतियोगिता से अलग तिथि में संस्कृत नाट्य महोत्सव नाम से आयोजित होगी)

(क) संस्कृत अभिनय प्रतियोगिता का मूल्यांकन अभिनय, भावप्रवणता (25 अंक) उच्चारण एवं सम्भाषण, (25 अंक), वेषभूषा, मंच सज्जा (25 अंक), कथ्य-कथानक (25 अंक) के आधार पर होगा। इसमें 6 श्रेणी के पुरस्कार होंगें।

(ख) प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी के अन्तर्गत 100 अंक में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान अंक प्राप्त करने वाले नाटक दल को पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

(ग) अन्य श्रेणी का मूल्यांकन के लिए पूर्णांक 25 निर्धारण होगा।

(घ) यह सामूहिक तथा व्यक्तिगत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता होगी।

(ङ) प्रतिभा खोज प्रतियोगिता की अधिकतम अवधि 30 मिनट की होगी ।

प्रथम श्रेणी सबसे उत्कृष्ट नाटक को	**द्वितीय श्रेणी** द्वितीय स्थान प्राप्त नाटक को	**तृतीय श्रेणी** तृतीय स्थान प्राप्त नाटक को	**चतुर्थ, पंचम तथा षष्ठम श्रेणी** वेषभूषा (सर्वोत्कृष्ट एक नाटक को) अभिनय, भावप्रवणता (सर्वोत्कृष्ट एक अभिनेता को) उच्चारण एवं सम्भाषण (सर्वोत्कृष्ट एक अभिनेता को)
11,000	7,000	5,000	3,000

नाटक प्रतिभा खोज प्रतियोगिता के लिए एक आवेदन पत्र पर सभी प्रतिभागियों का नाम लिखा जाये।

निर्णय प्रक्रिया-

(क) प्रतिभागी दल स्वेच्छा से संस्कृत भाषा में कोई काल्पनिक, सामाजिक, वैज्ञानिक, ऐतिहासिक, चरित्र प्रधान नाटक की प्रस्तुति दे सकता है।

(ख) नाट्य दल को प्रतिभा खोज प्रतियोगिता के पूर्व नाटक के आलेख की एक मुद्रित प्रति निर्णायक को उपलब्ध करना होगा।

(ग) प्रत्येक अक्षर के उच्चारण की शुद्धता, सम्वाद के भाव, विचार, मन्तव्य और पात्र की मनोदशा के अनुरूप विशिष्ट शब्दों पर बल देना तथा उसी के अनुरूप ध्वन्यात्मक आरोह-अवरोह, अभिनेता का आत्मविश्वास, बोले जा रहे सम्वाद और क्रिया में उसकी तल्लीनता, दृश्यानुकूल मंच सज्जा, पात्रानुकूल वेशभूषा, नाटक का कथ्य, कहानी/आलेख, मंच पर पात्रों के अभिनय का संयोजन यथा- मंच पर पात्रों का प्रवेश, प्रस्थान, मंच पर उनकी गति-स्थिति का निर्धारण के आधार पर निर्णायक अंक प्रदान करेंगे।